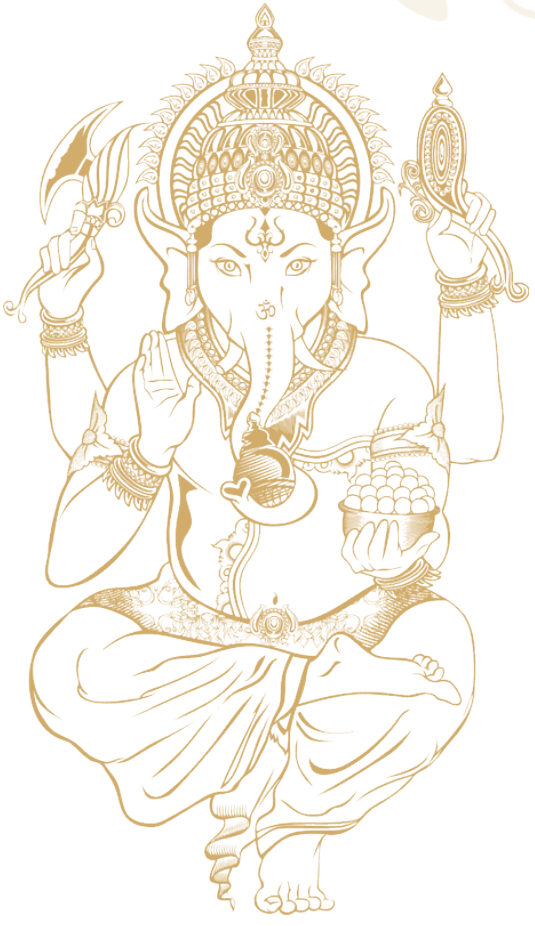

Nikhil Srivastava

09 Oct 1994

02:05 AM

Balrampur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121878420

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**8-09/10/1994**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**02:05:00 घंटे**
इष्ट	50:19:01 घटी
स्थान	**Balrampur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:25:00 उत्तर
रेखांश	82:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:03:40 घंटे
वेलान्तर	00:12:20 घंटे
साम्पातिक काल	03:12:38 घंटे
सूर्योदय	05:57:23 घंटे
सूर्यास्त	17:40:15 घंटे
दिनमान	11:42:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	21:32:46 कन्या
लग्न के अंश	29:21:28 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	आयुष्मान
करण	बव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नू-नूर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	29:21:28	312:41:56	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			कन्या	21:32:46	00:59:16	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	12:48:24	14:35:23	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	नीच राशि
मंगल			कर्क	08:33:54	00:33:17	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	नीच राशि
बुध			तुला	12:41:05	00:03:01	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	मित्र राशि
गुरु			तुला	22:50:56	00:12:11	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	23:51:19	00:09:55	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	स्वराशि
शनि	व		कुंभ	12:43:11	00:03:01	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
राहु			तुला	21:16:25	00:01:09	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु			मेष	21:16:25	00:01:09	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			धनु	28:37:14	00:00:21	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
नेप			धनु	26:47:50	00:00:12	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	02:35:32	00:01:56	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			मेष	26:48:41	--	कृतिका	--	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:14

लग्न-चलित

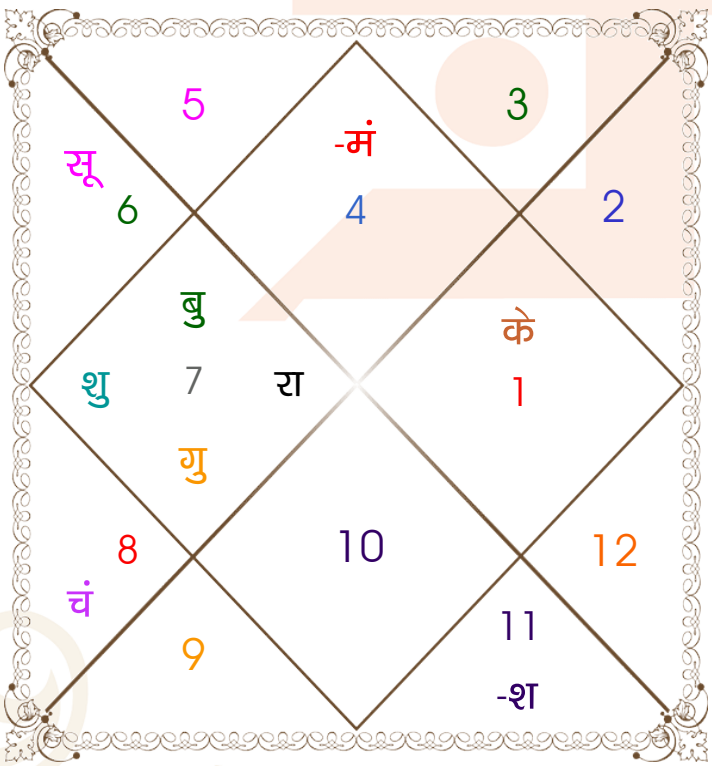

चन्द्र कुंडली

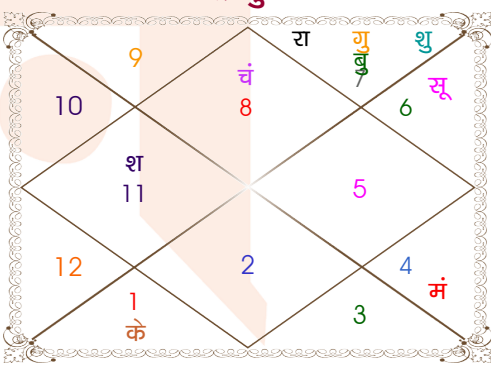

नवमांश कुंडली

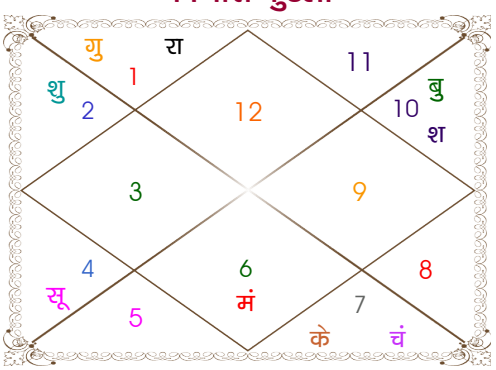

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 5 वर्ष 6 मास 0 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
09/10/1994		09/04/2000		09/04/2017		09/04/2024		09/04/2044	
09/04/2000		09/04/2017		09/04/2024		09/04/2044		09/04/2050	
	00/00/0000	बुध	05/09/2002	केतु	05/09/2017	शुक्र	09/08/2027	सूर्य	27/07/2044
	00/00/0000	केतु	02/09/2003	शुक्र	05/11/2018	सूर्य	08/08/2028	चंद्र	26/01/2045
	00/00/0000	शुक्र	03/07/2006	सूर्य	13/03/2019	चंद्र	09/04/2030	मंगल	03/06/2045
	00/00/0000	सूर्य	10/05/2007	चंद्र	12/10/2019	मंगल	09/06/2031	राहु	27/04/2046
	00/00/0000	चंद्र	08/10/2008	मंगल	09/03/2020	राहु	09/06/2034	गुरु	14/02/2047
	09/10/1994	मंगल	05/10/2009	राहु	28/03/2021	गुरु	07/02/2037	शनि	27/01/2048
मंगल	20/11/1994	राहु	24/04/2012	गुरु	04/03/2022	शनि	09/04/2040	बुध	02/12/2048
राहु	26/09/1997	गुरु	31/07/2014	शनि	12/04/2023	बुध	08/02/2043	केतु	09/04/2049
गुरु	09/04/2000	शनि	09/04/2017	बुध	09/04/2024	केतु	09/04/2044	शुक्र	09/04/2050

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
09/04/2050		09/04/2060		09/04/2067		09/04/2085		10/04/2101	
09/04/2060		09/04/2067		09/04/2085		10/04/2101		00/00/0000	
चंद्र	08/02/2051	मंगल	05/09/2060	राहु	21/12/2069	गुरु	28/05/2087	शनि	13/04/2104
मंगल	09/09/2051	राहु	23/09/2061	गुरु	15/05/2072	शनि	08/12/2089	बुध	22/12/2106
राहु	09/03/2053	गुरु	30/08/2062	शनि	22/03/2075	बुध	15/03/2092	केतु	31/01/2108
गुरु	09/07/2054	शनि	09/10/2063	बुध	09/10/2077	केतु	19/02/2093	शुक्र	01/04/2111
शनि	08/02/2056	बुध	05/10/2064	केतु	27/10/2078	शुक्र	21/10/2095	सूर्य	13/03/2112
बुध	09/07/2057	केतु	03/03/2065	शुक्र	27/10/2081	सूर्य	08/08/2096	चंद्र	13/10/2113
केतु	07/02/2058	शुक्र	03/05/2066	सूर्य	21/09/2082	चंद्र	08/12/2097	मंगल	10/10/2114
शुक्र	09/10/2059	सूर्य	08/09/2066	चंद्र	21/03/2084	मंगल	14/11/2098		00/00/0000
सूर्य	09/04/2060	चंद्र	09/04/2067	मंगल	09/04/2085	राहु	10/04/2101		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 5 वर्ष 6 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।